



महामाया

1.064

ASHA A. M. ES

ASHA ARCHIVE

प्रव २ व २ प्रकास ४

अथमकुलियन ॥ १ ॥ मरुविणामननिवाचन विणख (६) ख
वननिव अकल रानिगरेव वि निष्ट (६) यन यनायन सदाधिक
कवीकन धन्यसाक मनामनिक केवल केवल निष्ठा (६) ६
द्ववद नैवय उयमावदिन निववकागके धृष्टिधनी १ ॥ १ ॥
१ ॥ १ ॥ १ ॥ मरुतेववीसदायान कालिकि
हिनिवाध सियु लकलि रगवधनि हूदनियनमसिद्ध

॥ ह ॥ २

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 ध्यान विषयः ध्यानं अयनिमित्तं गजानि ॥ ध्यानं महाबल्यना
 कामयन्वासेवादिनिःश्रवणान्नयनैर्वा ॥ १०० ॥ ॥ ॥
 ॥ २ ॥ ॥ ॥ महाबल्यना ॥ गजानि ॥ बल्यकामसाधनी ॥ सर्वशक्त
 ध्यानं ॥ जगत्काठिकनलि ॥ महाकालगुरु ॥ संगममलि ॥ महाभाय
 रुद्रलि ॥ नृदकाधनि ॥ सर्वशक्त्यमर्दलि ॥ महायाय ॥ यमावलि ॥ या
 रुद्रा ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 गतिद्विपदायनि ॥ रागमाद्वयद ॥ ॐ रुद्र ॥ ॐ रुद्र ॥ ॐ रुद्र ॥ राग
 वतिसेना ॥ नृदवि ॥ ॐ रुद्र ॥ ॐ रुद्र ॥ ॥ १०० ॥ ॥ ॥ ॐ रुद्र ॥
 महाबल्यमुखी ॥ ॐ रुद्र ॥ बल्यना ॥ गजानि ॥ ॐ रुद्र ॥ बल्यद ॥ ४ ॥ विमाव
 निःसर्वसमय ॥ मायविद्याठनि ॥ गजामयि ॥ अमर्त ॥ असिद्ध ॥ साध
 नि ॥ सिद्धि ॥ निद्धि ॥ यद ॥ नासय ॥ सर्वदायान ॥ अरिमर्त ॥ मययच्च ॥ सर्व
 सर्वग ॥ अन्नय ॥ सर्वन्नय ॥ ॐ रुद्र ॥ ॐ रुद्र ॥ ॐ रुद्र ॥ ॐ रुद्र ॥ सर्वविदध

॥ मूनादि ॥ ४

वीरुट्टाखादा ॥ १०० ॥ ॥ खूंरुट्टा मरुतानावनि. सर्वाः
 यायनकावकि. सर्वयकासकि. सर्वध्वनि. एकदिकनादादना
 यनिरुयमरुतज ४ खनूय. यनैरुतानयुत. नन्धिनूय. गत्वातीन.
 म्रवधुविशुत. विशावेरासकि. रासय २ खवननोखानखरुं ४
 ३ ६० २ ययरासाकखादा ॥ १०० ॥ ॥ ॥ नित्यकालिया
 गगादलि ॥ ॥ ३ नमन्धमूत. यवधु. रुत्कानलि. आदि

वर्ष ३

॥ नमो ॥ २

यान् दिदि **रुं** जावन्नम मरालम् चविश वावाहिनगनये
 त्यवागिनी ककुकु मरालम् अष्टमाह मारुध्वनी वक्त्र
 गा वैष्णवी नन्द्या कोमात्री वावाली मारुध्वनी वाम्भु मराल
 लम् **श्री** रत्नवी माय मरालमाय सर्वसिद्धिददि सर्वसिमा न
 गाविही कवि काटकामनूय निवासिनि सग्ननरत्नवशि
 य समवस अष्टन द्धन विद्यलुनि **नंरुं रुं ऊं वूं** श्री किः

वि. सुत्र २ मात्रय २ आनय २ खाद २ गृह २ कृ २ कृ २ मा २ न २
 द ४ २ कं २ कं २ मात्र २ रुन २ द ४ २ कं २ कं २ स २ कं २ क २
 उ ४ २ ख ४ २ रु ४ २ ल ४ २ रायनि २ रौ ववि २ कं २ म म्म बुदिनि
 रुट २ क २ क २ क २ नोड २ क २ रुट २ रुट २ रुट २ म म्म म
 म्म रिद्यान रुन २ कं २ रुट २ रुट २ रुट २ नेम ४ खाद ॥ १० ॥
 द द य विद्या ॥ ॥ न न आ न स य जा ॥ ३ ३ ३ क न य ग म ॥

स सायनम ४ ॥ २ य नायग म्म सायनम ४ ॥ २ दारुल म्म सायनम
 ४ ॥ २ कलियग म्म सायनम ४ ॥ २ म १ ७ ३ म्म सायनम ४ ॥ २ य इ द
 म्म सायनम ४ ॥ २ साम व ३ म्म सायनम ४ ॥ २ अ थ व व द म्म सा
 यनम ४ ॥ २ रु ड म्म सायनम ४ ॥ २ अ गि म्म सायनम ४ ॥ २ य म म
 म्म सायनम ४ ॥ २ ने म थ म्म सायनम ४ ॥ २ व न ल म्म सायनम ४
 ॥ २ वा य थ म्म सायनम ४ ॥ २ क व न म्म सायनम ४ ॥ २ रु ग न म्म

अस्त्रायनम॥२॥ उद्धमस्त्रायनम॥२॥ अद्धमस्त्रायनम॥२॥ सृ
 द्धिमस्त्रायनम॥२॥ सिद्धिमस्त्रायनम॥२॥ सीदालमस्त्रायनम॥
 ॥२॥ अनादमस्त्रायनम॥२॥ सासाकमस्त्रायनम॥२॥ वक्राय
 नास्त्रायनम॥२॥ विष्णुनास्त्रायनम॥२॥ ब्रह्मनास्त्रायनम॥२॥ उ॥
 श्वनास्त्रायनम॥२॥ शिवास्त्रायनम॥२॥ उ॥ उ॥ उ॥ मरुतिना
 स्त्रायनम॥२॥ उ॥ उ॥ उ॥ मरुतिनास्त्रायनम॥२॥ उ॥ उ॥ उ॥

शदलयस्त्रायनम॥२॥ उ॥ उ॥ उ॥ मरुतिनास्त्रायनम॥२॥
 मरुतिनास्त्रायनम॥२॥ उ॥ उ॥ उ॥ मरुतिनास्त्रायनम॥२॥
 ॥२॥ उ॥ उ॥ उ॥ मरुतिनास्त्रायनम॥२॥ उ॥ उ॥ उ॥ मरुतिना
 स्त्रायनम॥२॥ उ॥ उ॥ उ॥ मरुतिनास्त्रायनम॥२॥ उ॥ उ॥ उ॥ मरुतिना
 स्त्रायनम॥२॥ उ॥ उ॥ उ॥ मरुतिनास्त्रायनम॥२॥ उ॥ उ॥ उ॥ मरुतिना
 स्त्रायनम॥२॥ उ॥ उ॥ उ॥ मरुतिनास्त्रायनम॥२॥ उ॥ उ॥ उ॥ मरुतिना

कालायनम ॥ ॐ ह्रीं कालायनम ॥ ॐ ह्रीं सूर्यायनम ॥ ॐ ह्रीं
कौंकटिकेयनम ॥ ॐ ह्रीं कौर्वेणायनम ॥ ॐ ह्रीं रुद्रायनम ॥
ॐ ह्रीं श्रौतिकायनम ॥ ॐ ह्रीं वक्रियायनम ॥ ॐ ह्रीं ह्रीं
रुद्रायनम ॥ ॐ ह्रीं वीषट्कवायनम ॥ ॐ ह्रीं श्रीं नृनायनम ॥
॥ ॐ ह्रीं निरुद्रायनम ॥ ॐ ह्रीं वीरुद्रायनम ॥ ॐ ह्रीं श्रीं मूर्ध्नाय
नम ॥ ॐ ह्रीं ह्रीं उमत्रकायनम ॥ वामकल ॥ ॥ ॐ ह्रीं श्रीं

वन्द्यायनम ॥ ॐ ह्रीं रुद्रकलिकायनम ॥ ॐ ह्रीं ह्रीं नृनायनम
॥ ॐ ह्रीं श्रीं कौर्वेणायनम ॥ ॐ ह्रीं उदकायनम ॥ ॐ ह्रीं ह्रीं क
लसायनम ॥ ॐ ह्रीं श्रीं ८ विष्णुनायनम ॥ ॐ ह्रीं ह्रीं वानायनम ॥
ॐ ह्रीं ह्रीं यन्त्रायनम ॥ ॐ ह्रीं गैयुक्तकायनम ॥ ॐ ह्रीं ह्रीं क्रीडाय
नम ॥ ॐ ह्रीं श्रीं यात्रिजातायनम ॥ ॐ ह्रीं ह्रीं वृत्रिकायनम ॥ ॐ
ह्रीं श्रीं नामनायनम ॥ ॐ ह्रीं ह्रीं पूष्यमालायनम ॥ ॐ ह्रीं ह्रीं तिष्ठि

मायेनमः॥ॐ ह्रीं गृध्रायेनमः॥ॐ ह्रीं शिखिकायेनमः॥ॐ ह्रीं
 वृद्धयेनमः॥ॐ ह्रीं कौक्यायेनमः॥ॐ ह्रीं वयस्यवाय
 नमः॥ॐ ह्रीं लोयाययेनमः॥ॐ ह्रीं नद्यावरुयेनमः॥
 ॐ ह्रीं कौक्यायेनमः॥ॐ ह्रीं मसिखाययेनमः॥ॐ ह्रीं अक्ष
 लायेनमः॥ॐ ह्रीं धृष्टयेनमः॥ दक्षकला॥ॐ निसृष्टया॥
 ॥१४॥ ✕ ॥ गतावकुपुजा॥ ह्रीं कोमलावधुया॥ गन्धनी

ॐ ह्रीं थोरु ४ वधुया॥ गन्धनीनिर्वाणगीकालिकादवीधीयाद॥
 उद्ध॥ १ ॥ ह्रीं वधुकामालिनीमहाकालिसिद्धिधीकालियनातिरुव
 कसिद्धिकालीधीयाद॥ अथ॥ २ ॥ श्रीं ह्रीं विश्वगयाउर्वरा
 मनिवावकु कालसंकर्षणीधीयाद॥ नदक्षी॥ ३ ॥ ह्रीं ह्रीं ह्रीं
 उदरामया॥ गन्धनीकायवकुणीककिदाधीयाद॥ वामा॥ ४ ॥
 ॐ ह्रीं ह्रीं उदमहाया॥ गन्धनीकालवकुणामनघनीधीयाद॥ दक्ष॥

॥ १ ॥ **कुं कुं कुं** रुं या गंधनी वलुमहागार्हवकुधीरुचनीघीया
द॥ वा **ऊ म** ॥ ३ ॥ **कुं रुं कुं कुं** महावलुनिध्वगयामकनवकु
रिदाविधीघीयाद॥ ददवकु ॥ १ ॥ **कुं कुं कुं कुं** रुं उर्वया
गंधनीमहोययीगिनागदवकुधीयाद॥ वामवकु ॥ ६ ॥ **हं कुं**
खं खं खं गयानिध्वमहावलु **हं** रुयवकुसिद्धियागंधनिघीया
द॥ ददवकु ॥ २ ॥ **उं उं** सिद्धि **हं** कनालीमहावलु **थं थं थं** का

लग्नसनिगुक्तकालीनवकुधीयाद॥ मध्ववकु ॥ १० ॥ **हं** मि
वकुयूजा॥ * ॥ **तमा मयति** ॥ **उं उं** कालनागविग्रह कालसं
कर्मलीधामरुगनाकालियंवादयान॥ ॥ **मूलमनुनरिध्व** ३
॥ ॥ **नवाक नानयूजय** ॥ ॥ **सफद भद्रनयूजय** ॥ ॥
गनामूलसनादना ॥ **रुं रुं** रुट वलुवामू **कुं कुं कुं कुं** कुं
कुं विधेधाममदाननि **कुं** रुं गुक्तधनी **उं** यनमनिधानवक्रवृषि

यमयन ३ त्रि २

यो २ नो २ शो २ रं २ महामाय २ वृ २ ददी २ सर्वकर्मक वा २ यो २
 रं २ वृ २ न २ रं २ यो ३ यो ३ यो ३ यो ३ यो ३ विनविन २ ददि २ कि २ आ
 नय २ यवि २ य २ कन २ वन २ नव २ कन २ रुन २ धन २ धनय २ क
 न २ यो २ रं २ रं २ रं २ रं २ महामय कनालिक २ यो २ दारय २ मलाः
 विकटा २ कट २ महाराय २ रयानक २ धुलिगलावन २ किवि २ किमि २
 ० ल २ वल २ कर २ गर २ विध २ सर्ववत् २ यष्टिमम २ रुन २ रुस

२ गुत्मावय २ मर्दय २ विमर्दय २ घातय २ यातय २ भावय २ भाव
 य २ रं २ राय २ मारय २ विडावय २ धुर्धुयय २ यातय २ घातय २ रं
 राय २ धन २ वन २ टन २ कं ४ रं २ रं २ उ २ न २ रं २ वम २ यो वा कं
 नक २ सा २ गृ २ आनय २ ख ४ १ उ ४ १ उ ४ १ य ४ १ रं १ १ आ १
 ल १ महामाजि २ कया लरु रु वृ ३ रं ३ कन ३ रुन ३ कन ३ सदा
 दालिन २ यम २ नवा २ सवा २ सिनि २ रं १ रुट १ रु २ वृ २ उ २ रं २ रं २ उ २ रं २

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

निर्द्वन्द्वं नैकं द्वादशं त्रिसप्ततिकां यथा
मविनिविदि ७

विद्युत्



काली लक्ष्मी अंगी हृदयनीद्या

सो नवर्थ ३

महासहिदद, सुमहात्मनि (गोवि, महामधसो अनूनाधसो राग्य,
सर्वदाय, स, सप्तकर्मकनी, सिद्धिचाम, लुपुत्रय २ **की** सर्वमना
वथा **न** सर्वसंयदावय २ वयय २ यानय २ अ **दद** २ महानिधिद
दयुषधन आयुसो राग्य, दद २ धान्यदिन ध्यसतनंदद, एवं सर्व
सिद्धिकन २ धन २ **की** २ **की** २ **कुं** नलमयवय २ सवा **न** यज्ञाना
वलय २ आकायय २ धीर्यनार्थ, दद, अविष्ट कन २ नमामहायु

कालिक यद्वायं को ३ हुं ३ हुं ३ मदासकनासय २ मदाध
 नंदद २ समसर्वधनं ययव २ यदसिद्धि (गेनि) हुं २ नमः ४ स्वाहा
 ॥ हुं निरागविद्या ॥ ७ ॥ ॥ हुं हुं हुं हुं नमो रागवति
 कालिक ॥ सिद्धि वाम ॥ हुं हुं मदावधुया (गधनी) हुं को मा
 को दइका ५ ८ हुं हुं हुं मरामलाय कालिणी श्री वाक् यद को
 हुं हुं ४ हुं ४ सर्वसमय लारं कव २ सूय स नारव स उक्त राव द्याः

हा ॥ मूलसमयविद्या ॥ ७ ॥ ॥ नगायथा ऊलि ॥ हुं मूः
 स्यही गु कालिका यथा ऊलि मकुसुम ५ सदा निवमपि हुं वरुः
 गी वृद्ध ४ निवडा कि समन सनि दान कालि दवता ५ वीर्ज ५
 णकि ५ को वकं नित्य यूजा सो नना धिक याय धिरु ५ सिद्ध ५
 थ यूजा दो विनियोग ४ ॥ १ हुं हुं हुं गु कालि रुट हुं हुं ददयाः
 यनम ४ ॥ १ वं गी ५ हुं यमो यं निव सखा हा ॥ १ वं गी हुं रं व वाथ

ॐ क्रीं क्रीं नमः ॥ १ ॐ वनवर्चनि नमः ॥ १ ॐ क्रीं क्रीं वज्रव
 गायनिय ॐ क्रीं रुद्रादा ॥ २ ॥ १ ॐ क्रीं क्रीं क्रीं ॥ अमादद
 य ॥ १ ॐ क्रीं क्रीं क्रीं क्रीं क्रीं नमः ॥ नि ॥ १ ॥
 १ आमन्त्रणायार्चनिका ॥ आयुर्वल्लभनयाय ॐ नमः ॥ १ ॥
 उत्तमविद्या रुद्रनिवसल आगतीति साधुर्जीति ते क्रीं ॥ १ ॥
 ॥ कालिक कालिका नाताकान् यिदन् अकृतकावान् गयाजावन्

[illegible]

ॐ ह्रीं ह्रीं ४ निव ह्रीं ॥ यमायाताद ॥ ॥ ॐ ह्रीं ह्रीं ॥ ॥
 कअटा ॥ ॥ ॐ ह्रीं ह्रीं ह्रीं ह्रीं ह्रीं ॥ तायासताद ॥ ॥
 ॐ ह्रीं ह्रीं ह्रीं ॥ नीलसुनधता ॥ ॥ ॐ ह्रीं ह्रीं ह्रीं ह्रीं ॥
 हा म म न री न वा य या दू का ॥ म म न री न वा य ॥ ॥
 ॐ ह्रीं ह्रीं ता ल ह्रीं ह्रीं ह्रीं ॥ म म न री न ॥ ॥

॥ न्यास ॥ हृदयाय नमः ॥ हृदयस्य स्वाहा ॥ हृदयनिवासे वो म ह ॥
 हृदयवन्ताय ह्रीं ॥ नमः नवाश्यां व म ह ॥ ॥ श्रीगुणेश्यां नमः ॥ हृदय
 ऊं निवासे नमः ॥ श्रीनमिनाय नमः ॥ श्रीनमनाय नमः ॥ श्रीनमिनाश्यां नमः ॥
 कलतलयेश्यां नमः ॥ श्रीश्याय ह्रीं ॥ ॥ निवासे ॥ ॥ यास्याम ॥
 ॐ ह्रीं ह्रीं ह्रीं ह्रीं ह्रीं ह्रीं ह्रीं ह्रीं ॥ ॥ ॥ श्रीकनक वाह वाकनथ
 नयू स्वालका ह्रीं ऊं ल स्वावलथ ॥ ॥ निवासे ॥ ॥



त्रियांजीति ३ ॥ ॥ जाय ॥ य ॥ शुभासाय विमह, विश्वकर्माय ध
 म्महि, तन्नाजीवय वादया ॐ ॥ ॥ लोह ॥ ॐ शुद्धिभक्त सूर्य
 हूतिवामनिमयं, हूतकरं लकानि, यानायत्य विष्णुर्न, उमन्वृक
 सहिर्न, वाहर्न (अथ वद्धा ॥ नागं कृष्णाय वार्तं, त्वहिकुलसत्तर्न, नू
 मानाहिरुयं, याध्वं वामाहिरुयं, नवेन सविजयं, नोमिनृस्यध्वन
 सः ॥ ॥ स्नानकावाय ॥ धीनवनाथ स्वस्मर्तगच्छ ॥ ॥

अस्य महाभाषामनुसृत्य मूर्धनानि धनमभिः मूर्तुदुष्टुद ४थी म
 हाभाषादवतां दीवर्जं स्वाहा ॥ कि ४ म स च युथ यून्मार्थ यूयलारा
 (थेज्ये विनिताग ॥ मूर्तुन न्यास ॥ ॐ ज्ञां यी ज्ञां कतिष्ठकाय नमः ॥
 ज्ञां हनिह नूयय मूर्ता विवाय स्वाहा ॥ कूयूयलाराय नमः ॥
 यवषट् ॥ कि म द गज वाहनाय नमः ॥ न्याय ॥ ॥ ज्ञां महाभाषामनु
 दुष्टाय नमः ॥ ४ नमः ॥ स्वाहा मूर्ताय हट् ॥ ॐ ज्ञां यी ज्ञां दद

यायनम ४॥ क्रीरुनिह नयूयाय निजसखाहा ॥ इयूयला रायनि
 खायवम ८ ॥ ईमदगजवाहनाय कववाय ३ ॥ ईमहोभाखा
 यनउयांयेवोम ८ ॥ इ४नम ४खाहा मूकाय ८ ॥ ॐ तिआसा ॥
 ॥ ॥ गताध्यान ॥ तिआमलुतमधर्गं विनयनं दिआमनाहं कर्ता
 कर्तयूयुगं इवानु कर्तुं माहिकयायारय ॥ विद्यालं कर्तुं य
 कर्तुमदगजसंकादिहं विरुं भाखानं गनं वजामि सततं व

लाकसंमाहर्न ॥ ॐ तिआन ॥ ॥ ॐ क्रीरुनिह नयूयाय य
 यला रायनि ३ ॥ यनायमदगजवाहनायमहाभा लायनम ४खा
 हा ॥ ययला राय ३ ॥ ॥ ॥ ॐ क्रीरुनिह नयूयाय य
 खेका सो सो कोवि ॥ वावाया ॥ ॥ ॐ क्रीरुनिह नयूयाय य
 लको ॥ उदयो ॥ ॥ ॐ ॐ ॐ सर्ववृद्धता किनाय वजव
 लुनी वजवे नायनी ३ ३ ३ खाहा ॥ नृकामना ॥ ॐ ॐ सं स
 य १

१. कौं हौं कूं कुं नि (गन्धना वृक्षया गिता इंदु ट. ॥
दा के लया ॥ ॥ २. कौं गौं हौं य (वृक्षना सौ हा ॥
य र्वी मा य या ॥ ॥

श्रीगरोशाय नमः ॥ पाराड उवाच ॥ प्रह्लाद नारद परासर पुराडरी
क

श्रीगरोशाय नमः ॥ ॐ नमः शिवाये ॥ कैलासात् सोम रेण्डु शुद्ध
स्फटिक सनिभे ॥ तमे रा विहिते तु जरा मृत्यु विवर्जिते

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥